Date - 18.05.2020 S.J.N. PUBLIC School Class - 10

Sub - HINDI मो० 9026647288

प्रकरण - वाक्य

वाक्य => सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह। जिससे अपेक्षित अर्थ प्रकट हो, वाक्य कहलाता है।

वाक्य के अनिवार्य तत्व => वाक्य में निम्नलिखित छः तत्व अनिवार्य हैं।
(1) सार्थकता (2) योग्यता (3) आकांक्षा
(4) निकटता (5) पद क्रम (6) अन्वय

वाक्य के अंग => वाक्य के दो अंग हैं - (1) उद्देश्य (2) विधेय

उद्देश्य => जिसके बारे में कुछ बताया जाता है, उसे उद्देश्य कहते हैं।
जैसे - अनुराग खेलता है। सचिन दौड़ता है
इन वाक्यों में अनुराग और सचिन के विषय में बताया गया है। अतः ये उद्देश्य हैं।

विधेय => वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाता है, उसे विधेय कहते हैं। जैसे - अनुराग खेलता है।
इस वाक्य में 'खेलता है' विधेय है।

वाक्य के भेद => वाक्य अनेक प्रकार के हो सकते हैं। उनका विभाजन हम दो आधारों पर कर सकते हैं।
1 - अर्थ के आधार पर।
2. रचना के आधार पर।

(1) अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद => अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं। (1) विधानवाचक (2) निषेधवाचक
(3) आज्ञावाचक (4) प्रश्नवाचक (5) इच्छावाचक
(6) संदेहवाचक (7) विस्मयवाचक (8) संकेतवाचक

Class - 10

रचना के आधार पर वाक्य के भेद => रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद होते हैं।

① सरल वाक्य / साधारण वाक्य => जिन वाक्यों में केवल एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय होता है, उन्हें सरल वाक्य या साधारण वाक्य कहते हैं। जैसे –
① मुकेश पढ़ता है ② शिल्पी पत्र लिखती है।

② संयुक्त वाक्य => जिन वाक्यों में दो या दो से अधिक सरल वाक्य योजकों (और, एवं, तथा, या, अथवा, इसलिए, फिर भी, तो किन्तु, परन्तु, लेकिन, पर आदि) से जुड़े हो उन्हें संयुक्त वाक्य कहते हैं।
जैसे – ① वह सुबह गया और शाम को लौट आया।
② उसने बहुत परिश्रम किया किन्तु सफलता नहीं मिली।

③ मिश्रित वाक्य / मिश्र वाक्य => जिन वाक्यों में एक प्रधान (मुख्य) उपवाक्य हो और अन्य आश्रित उपवाक्य हो तथा जो आपस में (कि, जो, वह, जितना, उतना, जैसा, वैसा, जब, तब जहाँ, वहाँ, जिधर, उधर, अगर, यदि, तो) मिले हो उन्हें मिश्रित वाक्य कहते हैं। जैसे – ① मैं जानता हूँ कि तुम्हारे अक्षर अच्छे नहीं बनते।
② जो लड़का कमरे में है, वह मेरा भाई है।

गृह कार्य => वाक्य की परिभाषा, अंग, भेद, एवं पहचान को अच्छी तरह से याद करें।